

तड़पना उदा. "जाके हिरदै हरि बसै, सो नर कलपै काँड़ -"कबीर (साखी 35) 3. कुढ़ना, आहें भरना, दुखी होना 4. स्त्री. तड़पने या व्याकुल होने की क्रिया या भाव, कलप, तड़प, 'अकुलाहट'।

कलपनी स्त्री. (तद्.) कैंची, कतरनी।

कलपबर पुं. (तद्.) महाकल्प वि. महाकल्प के समान "पल अंतर चलि जात कलपबर" -सूरसागर (10/1665)।

कलपलता स्त्री. (तद्.) कल्पलता, कल्पवृक्ष।

कलपाना स.क्रि. (देश.) 1. कलपने का कारण होना या कलपने हेतु विवश कर देना 2. रुलाना 3. सताना, दुखी करना 4. तरसना।

कलपित वि. (तद्.) दे. कल्पित।

कल पुर्जा पुं. (देश.) मशीन तथा उसके पुर्जे।

कलपोटिया स्त्री. (देश.) आँख के ऊपर काले पोटा (पलक) वाला पक्षी।

कलप्पा पुं. (देश.) 1. कभी-कभी नारियल में प्राप्त होने वाला एक नीलाभ, सफेद और कठोर पदार्थ (विशेष), चीन में इसे नारियल का मोती बोला जाता है।

कलफ पुं. (देश.) धुले कपड़े को सीधा रखने के उद्देश्य से लगाया जाने वाला माँड़।

कलफदार वि. (देश.) कलफ लगा हुआ, कलफ लगाकर कड़क और सलवटविहीन किया हुआ।

कलबल पुं. (तत्.) 1. उपाय 2. दाँव-पेंच उदा. "कल बल छल करि मारि तुरत हैं" -सूरसागर (10/1396) 2. शृंगार, सज्जा 3. कला या यंत्र के बल 4. शोरगुल, कोलाहल 5. अस्पष्ट शब्द उदा. कलबल करि बोलनि" -सूरसागर (10/91)।

कलबलाना अ.क्रि. (देश.) 1. शोर करना 2. कुलबुलाना।

कलबूत पुं. (फा.) 1. ऐसा साँचा या ढाँचा जिस पर चढ़ाकर जूता सीया जाता है। ऐसे साँचे पर टोपी

तथा पगड़ी भी चढ़ाई जाकर तैयार की जाती हैं ये साँचे टीव या मिट्टी के भी होते हैं 2. साँचा या ढाँचा।

कलभ पुं. (तत्.) 1. पाँच वर्ष तक का हाथी का बच्चा 2. हाथी का बच्चा 3. हाथी 4. ऊँट का बच्चा 5. ऊँट 6. धतूरे का वृक्ष।

कलभी स्त्री. (तद्.) 1. हथिनी 2. पाँच वर्ष तक का हाथी का मादा बच्चा 3. ऊँट का मादा बच्चा 4. ऊँटनी।

कलम स्त्री. (तत्.) 1. लेखनी 2. लिखने की कुशलता उदा. आपकी कलम खूबसूरत है 3. चित्रकार की कूँची 4. चित्रकारी की शैली या क्षेत्र या प्रकार उदा. राजस्थानी कलम के चित्र 5. सुनारों तथा शीशा काटने वालों आदि का एक उपकरण जिससे वे बेलबूटे आदि बनाते हैं 6. पेड़-पौधों की कटी हुई शाखा जो दूसरी जगह रोपी या लगाई जाती है जैसे- "मैंने इस पार्क में सफेद गुलाब की कुछ कलमें लगा दी हैं" 7. उक्त प्रकार से कटी हुई कलमों से उगा हुआ पौधा 8. कनपटी के बाल उदा. "आज नाई ने मेरी कलम थोड़ी ऊपर से काट दी" मुहा. 1. कलम उठाना- लिखना; कलम का मजदूर- लिखने से आजीविका कमाने वाला; कलम का सिपाही- अपनी रचनाओं से समाज सुधार आदि के कार्यों में संघर्षरत लेखक; कलम का धनी- उत्कृष्ट लेखक; कलम घसीटना- लिखना; कलम घिसना- सतत लिखने रहना, लेखन कार्य करना; कलम चलना- लिखा जाना; कलम चूमना- किसी लेखक की बहुत प्रशंसा करना; कलम तोड़ना- रचना कौशल की पराकाष्ठा करना; कलम न उठ सकना- संकोचवश न लिख पाना; कलम न रुकना- लिखने ही रहना; कलम फेरना- (किसी के) लिखे हुए को काट देना, लिखित को निरस्त कर देना; कलम में जादू होना- (जोर होना)- लेखक का प्रभावशील होना; कलम करना- काट कर अलग कर देना; कलम कराना- कटवा डालना; कलम रोपना/लगाना- (गुलाब आदि) किसी पौधे की टहनी को अन्य पौधे की शाखा पर लगाना।